देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 15 अंक: 25 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...किसानों के साथ पूरा देश

पेज थ्री

देहरादून, रविवार, 19 अप्रैल 2020

मौसम अधिकतम 32.0° न्यूनतम 18.0°

31588.72 | 2 चीन का नया आंकड़ा, बचाव में डब्ल्यूएचओ | 7 क्रिकेट में वापसी आसान नहीं होती

संक्षिप्त समाचार

इंदौर में सर्वे करने गई टीम पर अपराधी ने फेंके पत्थर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर में कोरोना का कहर जारी है। इस बीच एक बार फिर से सर्वे करने गई मेडिकल टीम पर एक अपराधी ने पत्थर फेंके हैं, साथ ही उनका मोबाइल भी तोड़ दिया। घटना इंदौर के पलसिया थाना अंतर्गत आने वाले विनोबा नगर की है। जहां मेडिकल टीम के साथ अपराधी ने बदसलूकी की है। उसके बाद स्वास्थ्यकर्मी पलसिया थाना पहुंच गए। बताया जा रहा है कि सर्वे टीम का बचाव करने आए पड़ोसियों को अपराधी पारस ने चाकू मारा है। सर्वे टीम में डॉक्टर, टीचर, पैरा मेडिकल स्टॉफ और आशा कार्यकर्ता शामिल थे।

कोविड-19 के खिलाफ पास आये सार्क देश, भारत दे रहा प्रशिक्षण

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान कोविड-19 से हलकान है लेकिन अभी भी वह इस बीमारी से लड़ाई में भारत की तरफ मदद का हाथ बढ़ाने को तैयार नहीं। इसका ताजा उदाहरण शुक्रवार को देखने को मिला जब कोविड-19 महामारी से बचने के उपायों पर भारत की तरफ से पड़ोसी देशों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम से पाकिस्तान गायब रहा। पाकिस्तान व मालदीव के अलावा अन्य सभी देशों ने इसमें हिस्सा लिया और आगे भी इस तरह का कार्यक्रम चलाने पर सहमित बनी।

अरुंधति बोलीं, कोरोना की आड़ में नरसंहार...

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता अरुंधति राय ने सरकार पर कोरोना संकट के दौर में हिंदू-मुस्लिम के बीच तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया है। उन्होंने जर्मन न्यूज नेटवर्क डॉचे वेले से कहा कि कोरोना संकट से निपटने में सरकार की यह कथित (दो समुदायों के बीच खाई बढ़ाने की) रणनीति से ऐसी स्थिति पैदा होगी जिस पर दुनिया को नजर रखनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, हालात जीनोसाइड की तरफ बढ़ रहे हैं।

26 नौसैनिक कोरोना के शिकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। तेजी से फैलते कोरोना वायरस ने अब भारतीय नौसेना को भी अपनी चपेट में ले लिया है। सूत्रों के मुताबिक मुंबई में वेस्टर्न नवल कमांड में 26 नौसैनिक कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। भारतीय सैन्य बल में कोरोना इतनी बड़ी संख्या में पहली बार फैला है। ये सभी नौसैनिक आईएनएस आंग्रे में थे। फिलहाल नेवी के अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।

आईएनएस आंग्रे पर लॉकडाउन

सूत्रों के अनुसार संक्रमित नौसैनिकों में से 25 तो आईएनएस आंग्रे कॉम्प्लैक्स में ही रह रहे हैं, जबकि एक शख्स अपनी मां के साथ उनके घर में रह रहा है। सूत्रों ने बताया कि नौसैनिक की मां भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। अब नेवी के रेसिडेंशियल एकोमोडेशन में रह रहे सभी लोगों की टेस्टिंग की जा रही है। पूरे आईएनएस आंग्रे पर लॉकडाउन कर दिया गया है और इसे संक्रमण जोन घोषित कर दिया गया है।

अधिकतर को एक ही नौसैनिक से हुआ कोरोना: एक बयान में नेवी ने कहा कि इनमें से अधिकतर को एक ही नौसैनिक से संक्रमण फैला है, जो 7 अप्रैल को कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। वह सभी आईएनएस आंग्रे के एक ही एकोमोडेशन में रहते थे। रक्षा मंत्रालय के अधिकारी और नवल मुख्यालय की ओर से सब पर नजर रखी जा रही है और बचाव के सभी तरीके इस्तेमाल किए जा रहे हैं, ताकि जिन नौसैनिकों में अभी कोरोना नहीं फैला है, वह बचे रहें।

अब तक सैन्य बल में फैला सबसे बड़ा मामला: सैन्य बल में अब तक मिला ये सबसे बड़ा मामला है। भारतीय सेना में भी इसके 8 मामले सामने आए थे। पिछले सप्ताह ही नेवी चीफ एडमिरल करमबीर सिंह ने एक वीडियो मैसेज में कहा था कि शिप और सबमरीन में रहने वाली नौसैनिक इस वायरस से बचकर रहें।

अब नौसेना ने कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग का एक बड़ा ऑपरेशन शुरू

शुरू हुई कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग

अब नौसेना ने कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग का एक बड़ा ऑपरेशन शुरू कर दिया है। ट्रैक किया जाएगा कि ये नौसैनिक किन-किन लोगों से मिले थे और उन सभी का टेस्ट किया जाएगा। ये मामला उस दौरान सामने आया है, जब दुनिया भर की नेवी में ये महामारी फैल रही है। अमेरिका में एक एयरक्राफ्ट करियर यूएसएस थेडोर रूजवेल्ट में करीब 500 कोरोना के मामले सामने आए हैं। वहीं फ्रांस नेवी को भी करोना ने अपनी चपेट में ले लिया है।

किसी नेवल शिप या पनडुब्बी में संक्रमण नहीं

आईएनएस आंग्रे पर संक्रमण की पुष्टि के बाद भारतीय नौसेना की ओर से इस संबंध में बयान जारी करते हुए स्थितियों की जानकारी दी गई है। नेवी ने यह भी साफ किया है कि किसी भी नेवल शिप या पनडुब्बी में कोरोना का कोई भी संक्रमण नहीं मिला है। मुंबई में इंडियन नेवी के अलग-अलग कैंपस में कोरोना के कुल 26 पॉजिटिव मरीज पाए गए हैं। शनिवार को मुंबई में नौसेना के आईएनएस आंग्रे परिसर में कोरोना के 25 मामले सामने आए हैं। मुंबई में वेस्टर्न नेवल कमांड का हिस्सा आईएनएस-आंग्रे इंडियन नेवी का एक बेस डिपो है। यह पश्चिमी नौसैनिक कमान को लॉजिस्टिक और प्रशासनिक सपोर्ट प्रदान करता है।

कोटा क्यों बन गया पॉलिटिकल हॉटस्पॉट

नीतीश कुमार, गहलोत योगी में कड़वाहट!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोटा। राजस्थान की कोचिंग सिटी कोटा के दो कोरोना हॉटस्पॉट में अब तक 97 लोगों में कोविड-19 संक्रमण फैल चुका है और लॉकडाउन के चलते यहां इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने आए हजारों स्टूडेंटस यहीं अटक गए हैं। पिछले 24 घंटे में 1 एक स्टूडेंट समेत 12 लोगों को यहां कोरोना की पुष्टि होने के बाद देशभर में अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। लेकिन कोरोना से जंग के बीच अब कोटा पॉलिटिकल हॉटस्पॉट बनता जा रहा है। करीब 35 हजार छात्रों की घर वापसी पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच कड़वाहट पैदा हो गई है।

नीतीश कुमार ने स्टूडेंट्स की घर वापसी को लॉकडाउन का मखौल उड़ाने वाला करार दिया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे भी कोटा बस भेजेंगे तो उन्होंने साफ शब्दों में कहना था कि यह लॉकडाउन का माखौल उड़ाने वाला फैसला है।

उधर, सीएम गहलोत ने कहा है कि कोटा में छात्रों को संबंधित राज्य सरकार की सहमति पर उनके गृह राज्यों में भेजा जा सकता है।

कोटा से बढ़ी देशभर में चिंता

कोटा में 6 अप्रैल को पहला केस आया था। कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ते मामलों के बीच 2 लोगों की मौत, एक अस्पताल के एंबुलेंस ड्राइवर और अब एक कोचिंग छात्र को कोरोना की पुष्टि के बाद देशभर में कोटा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पॉजिटिव मिला छात्र कोटा से 13 अप्रैल को अपने घर भरतपुर पहुंचा था। रिपोर्ट पॉजिटिव आने बाद कोटा में उसके हॉस्टल के कमरे को सील कर दिया गया है।

भारत में कोरोना के 14,378 केस, 480 की गई जान

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़ कर 480 हो गई जबकि संक्रमण के मामले बढ़ कर 14,378 हो गए। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अभी देश में कोविड-19 से 11,906 लोग संक्रमित हैं जबकि 1,991 लोग उपचार के बाद ठीक हो गए हैं। उन्हें अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है। एक व्यक्ति विदेश चला गया है। इन मामलों में 76 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। शुक्रवार शाम से 28 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें मध्यप्रदेश के 12, महाराष्ट्र के सात, दिल्ली के चार, गुजरात के तीन और जम्मू कश्मीर और बिहार का एक-एक व्यक्ति शामिल हैं। संक्रमण के कारण देश में हुई कुल 480 मौतों में महाराष्ट्र में सर्वाधिक 201 लोगों की मौत हुई। उसके बाद मध्य प्रदेश में 69, दिल्ली में 42, गुजरात में 41 पर और तेलंगाना में 18 लोगों की जान गई। संक्रमण से तमिलनाडु में 15 मौतें हुई हैं जबकि आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश में 14-14 लोगों की मौत हुई है।

कोरोना नेगेटिव प्रवासी मजदूरों को घर जाने दे

■सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। लॉकडाउन की वजह से परेशानी झेल रहे प्रवासी मजदूरों का मुद्दा आज सुप्रीम कोर्ट में उठाया गया है। टॉप कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है कि उन प्रवासी मजदूरों को उनके घर जाने दिया जाए जिनका कोरोना टेस्ट नेगेटिव आया है। याचिका उन प्रवासी मजदूरों के लिए दायर की गई है जो लॉकडाउन होने की वजह से उन राज्यों में फंस गए हैं जहां वे काम करते थे। ये लोग काम धंधा बंद होने की वजह से अपने घर जाना चाहते हैं। देशभर में ऐसे लाखों मजदूर इधर-उधर फंसे हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में अर्जी दी गई है कि ऐसे प्रवासी मजदूरों को घर जाने दिया जाए। इतना ही नहीं पीआईएल में आए लिखा है कि राज्य सरकारों को इन लोगों को घर, गांव तक जाने की पूरी व्यवस्था करनी चाहिए।

21 दिन के लॉकडाउन यानी लॉकडाउन के पहले चरण के दौरान लोगों को हुई दिक्कतों की कई तस्वीरें सामने आई थीं। इसमें लोग ट्रक, बसों में भर-भरकर घर जाने की कोशिशों में थे। कई ऐसे लोग थे जिन्हें कुछ सवारी नहीं मिली तो वे पैदल ही निकल पड़े। लोग 500-500 किलोमीटर तक की पैदल यात्रा पर निकल पड़े थे। सबका कहना था कि दूसरे राज्य में रहे तो कोरोना नहीं तो भूख से जरूर मर जाएंगे।

हर महीने 20 लाख मेड इन इंडिया कोरोना किट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से निपटने के दुनियाभर में दो ही तरीके अपनाए जा रहे हैं। लॉकडाउन और टेस्टिंग। लॉकडाउन के बलपर भारत स्थिति को कंट्रोल करने में काफी हद तक कामयाब दिख रहा है। अब टेस्टिंग में भी भारत कोई कमी नहीं छोड़नेवाला है। अगले महीने यानी मई से भारत कोरोना टेस्टिंग की करीब 20 लाख किट हर महीने बनाने में सक्षम होगा। हेल्थ मिनिस्ट्री ने यह जानकारी दी है।

इस 20 लाख में से 10 लाख किट रैपिड ऐंटीबॉडी होंगी और 10 लाख आरटी-पीसीआर वालीं। इससे भारत पर किट्स को आयात करने का बोझ कम पड़ेगा। फिलहाल भारत हर महीने 6 हजार वेंटीलेटर बना सकता है, आगे इसे भी बढ़ाने की कोशिश होगी। इतना ही नहीं भारत आनेवाले वक्त में पीपीई, ऑक्सिजन डिवाइस आदि भी मेक इन इंडिया के तर्ज पर बनाने की तैयारियों में जुट गया है।

20 लाख में से 10 लाख किट रैपिड ऐंटीबॉडी होंगी

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact: Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in